



4. जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास — कपास के बारे में सोचें कि कपास से बच्चों का क्या संबंध बन सकता है।

उत्तर:- बच्चों के पैर कपास की तरह नरम, मुलायम, हलके-फुलके और चोट खाने में समर्थ होते हैं। इसीलिए वे पूरे दिन नाच-कूद करते रहते हैं।

5. पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं — बच्चों का उड़ान से कैसा संबंध बनता है?

उत्तर:- पतंग उड़ते समय बच्चे रोमांचित होते हैं। जिस प्रकार पतंग आकाश में उड़ती हुई ऊँचाइयाँ छूती है, उसी प्रकार बच्चें भी जैसे छतों पर डोलते हैं। वे किसी भी खतरे से बिलकुल बेखबर होते हैं। एक संगीतमय ताल पर उनके शरीर हवा में लहराते हैं जैसे वे खुद एक पतंग हो गए हैं।

6. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़ कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

क) छतों को भी नरम बनाते हुए

दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए

ख) अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से और बच जाते हैं तब तो और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं।

1. दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है?

2. जब पतंग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए क्या आपको छत कठोर लगती है?

3. खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं?

उत्तर:- 1. 'दिशाओं को मृदंग की बजाते हुए' का तात्पर्य संगीतमय वातावरण की सृष्टि से है।

2. नहीं, जब पतंग सामने हो तो छतों पर दौड़ते हुए छत कठोर नहीं लगती।

3. खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद हम दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को सक्षम महसूस करते हैं।

7. आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को देखकर आपके मन में कैसे खयाल आते हैं? लिखिए उत्तर:- आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को देखकर मुझे मन होता है कि मैं पंछी बन स्वच्छन्द नभ में उड़ता फिरोँ।

8. 'रोमांचित शरीर का संगीत' का जीवन के लय से क्या संबंध है?

उत्तर:- जब हम किसी कार्य को करने में मग्न हो जाते हैं तब हमारा शरीर जैसे उस कार्य की लय में डूब जाता है इसीलिए कहा गया है — 'रोमांचित शरीर का संगीत'।